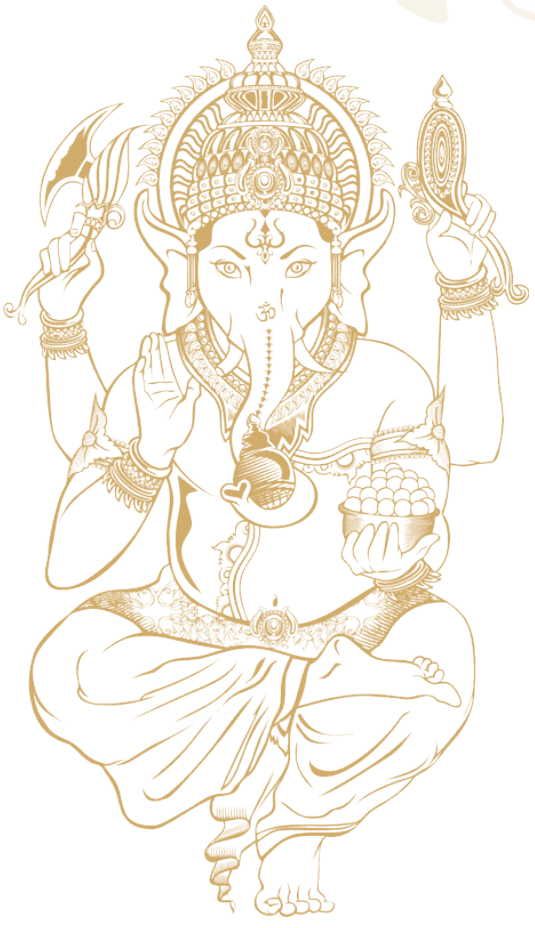

Mr.Son Arun Singh

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120268102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
6-07/02/2023	जन्म तिथि	22/11/2025
सोम-मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 02:10:00	जन्म समय	09:05:00 घंटे
घटी 47:45:09	जन्म समय(घटी)	05:51:51 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Delhi
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:03:56	सूर्योदय	06:49:40
18:17:51	सूर्यास्त	17:24:56
24:10:38	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 4वर्ष 1मा 2दि		11:02:58	वृश्चि	लग्न	धनु	04:32:37	बुध 4वर्ष 10मा 17दि	
केतु		23:36:29	मक	सूर्य	वृश्चि	05:51:52	बुध	
07/02/2023		05:32:25	सिंह	चंद्र	वृश्चि	26:10:17	22/11/2025	
12/03/2027		17:29:43	वृष	मंगल	वृश्चि	18:32:46	10/10/2030	
	00/00/0000	29:43:06	धनु	बुध व	वृश्चि	01:45:05		00/00/0000
	00/00/0000	13:00:24	मीन	गुरु व	कर्क	00:45:01		00/00/0000
	00/00/0000	19:11:08	कुंभ	शुक्र	तुला	24:51:16		00/00/0000
	07/02/2023	02:22:25	कुंभ	शनि व	मीन	00:58:13		00/00/0000
मंगल	10/02/2023	14:04:29	मेष व	राहु व	कुंभ	20:03:39		00/00/0000
राहु	28/02/2024	14:04:29	तुला व	केतु व	सिंह	20:03:39		00/00/0000
गुरु	03/02/2025	20:51:39	मेष	हर्ष व	वृष	05:11:58		22/11/2025
शनि	15/03/2026	29:36:11	कुंभ	नेप व	मीन	05:14:52	गुरु	31/01/2028
बुध	12/03/2027	04:40:23	मक	प्लूटो	मक	07:30:26	शनि	10/10/2030

लग्न-चलित

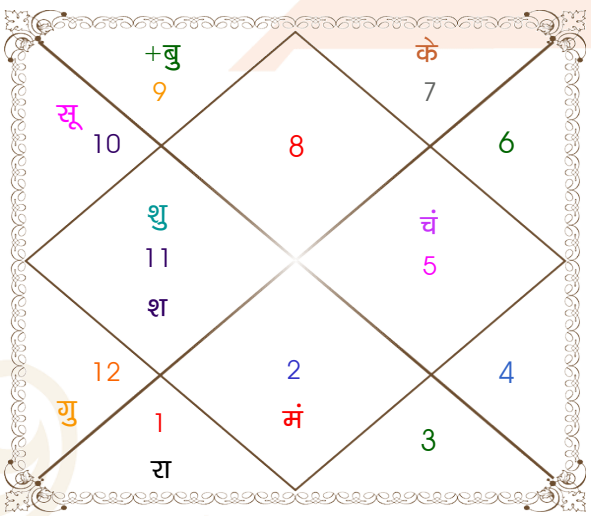

लग्न-चलित

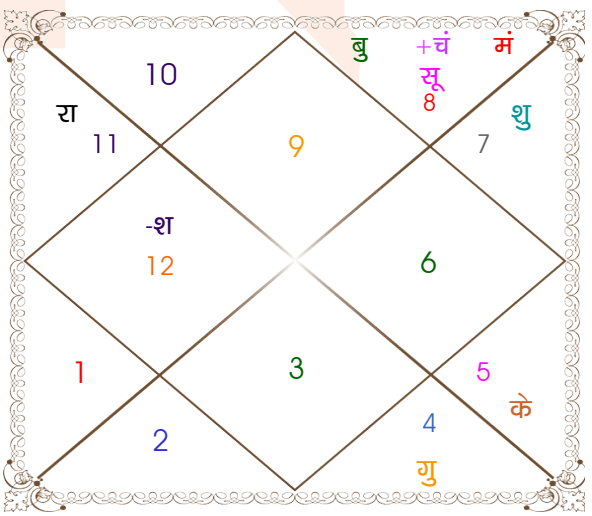

PT. Vishwas Dubey
HATOD DIST INDORE MP
9977779700

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

Mr.Son Arun Singh का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Son Arun Singh और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Son Arun Singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mr.Son Arun Singh कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.Son Arun Singh कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Son Arun Singh तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

PT. Vishwas Dubey
HATOD DIST INDORE MP
9977779700